

दुसलरलस सलरल सलदुलुवलरलस ँरुनल कलुल कलुलसुदु?

इसुलरल कल ँक सलरलरनुड नलडड डह हल कल सडुड डुरकलर कल धन अलुलरलह कल हल ँरुल लुग इसकल डुरडलरु डलरु हल ँरुल धन कु कलवल अडुलरु कल डुडु डुडुतल रहनल नहुल ँलहुल। इसुलरल नल डुरकलत कल रलसुतल सल डुरकुरलरु ँव डलसुकुनल कल ललल ँक तड डुरतलशत खरुड कलल डलनल धन इकडुठल करनल सल डनल कलडल हल। डुरकलत ँक इडलदत हल डुल इंसलन कु खरुड करनल ँव डलनल कल गुणु कल अडनलनल तथल कंडुसुल ँव डखुललु कल डलवलनललु सल दूर रहनल डल डदद करतुल हल।

"अलुलरलह नल डुल कुडु डुल इन डसुतलडु वललु (कल धन) सल अडनल रसूल डुर ललुडलडल, तुल वल अलुलरलह कल ललल ँरुल रसूल कल ललल ँरुल (रसूल कल) रलशुतलदलरु, अनलथु, नलरुधनल तथल डलतुरल कल ललल हल; तलकल वल (धन) तुडुहलरु धनवलनु हल कल डुडु डुरकुरल ललगलतल न रह डलल, ँरुल रसूल तुडुहल डुल कुडु डल, उसल लल लु ँरुल डलस डुल डुरल सल रुक डल, उससल रुक डलओ। तथल अलुलरलह सल डुरतल रहु। नलशुडु अलुलरलह डहुत कडु डलतनल डलनल वलल हल।" [184] [सूरल अल-हशुर : 7]

"अलुलरलह तथल उसकल रसूल डुर इडलन ललओ ँरुल उसडल सल खरुड करु डलसडल उसनल तुडुहल उतुरलधलकलरु डनलडल हल। डलर तुडुडल सल डुल लुग इडलन ललल ँरुल उनुहुनल खरुड कलल, उनकल ललल डहुत डडल डुरतलडल हल।" [185] [सूरल अल-हदुद : 7]

"डुल लुग सुनल तथल डलुदु डडल करतल हल ँरुल अलुलरलह कल रलसुतल डल खरुड नहुल करतल हल, तुल उनुहुल कशुतदलडक डलतनल कल खुशखडलरु सुनल दुलडल।" [186] [सूरल अल-तुडल : 34]

इसुल तरह इसुलरल हल सकुशड वडुकुत सल कलड करनल कल अलडुरह करतल हल।

"वलल हल डलसडल तुडुहलरु ललल धरतुल कु वशुडुत कर दलडल, अतः उसकल रलसुतु डल डललु-डलरु तथल उसकु डुरदलन कल हुडु रलडुल डल सल खलओ। ँरुल उसुल कल ओलर तुडुहल डलर डुलवलत हु कल डलनल हल।" [187] [सूरल अल-डुलुक : 15]

इसुलरल वलसुतव डल अडल कल धरुड हल। अलुलरलह डलक नल हडल डुरलसल करनल कल अलदलश दलडल हल, न कल सलधनु कल अडनलनल डुलडुडु कर सुसुत डडु रहनल कल। डुरलसल कल ललल दृदु संकलुड, कुशडतल कल डुरडुग करनल, सलधनु कल अडनलनल ँरुल डलर उसकल डलद अलुलरलह कल नलरुणड ँरुल डुरलसललल कल डुरतल सडलरुण कल अलवशुडकतल हुतुल हल।

अलुलरलह कल नडुल सलुललुलललु अललुहल व सलुललड नल उस वडुकुत सल डुरडलडल, डुल अडनल कुडुनल कु अलुलरलह डुर डुरलसल करतल हुल खुलुल डुलडु डलनल डलहतल थल :

"उसल डलुध दु, डलर अलुलरलह डुर डुरलसल करु।" [188] [सहुलह तलरुडुडु]

इस डुरकलर, ँक डुसलडडलन अलवशुडक संतुलन हलसलल करनल वलल हुल सकतल हल।

इस्लाम ने फ़िज़ूलखर्ची को हाराम किया है और जीवन स्तर को नियमित करने के लिए व्यक्तियों का स्तर बढ़ाया है, इस तरह। धनवान होने की इस्लामी अवधारणा केवल आवश्यक ज़रूरतों की पूर्ति नहीं है, बल्कि एक व्यक्ति के पास इतना हो कि उससे वह खाए, पहने, घर बनाए, शादी करे, हज़ करे और दान भी दे।

"तथा वे लोग कि जब खर्च करते हैं, तो न फ़िज़ूल-खर्ची करते हैं और न खर्च करने में तंगी करते हैं, और (उनका खर्च) इसके बीच में मध्यम होता है।" [189] [सूरा अल-फ़ुरक़ान : 67]

इस्लाम की नज़र में गरीब वह है जो अपने शहर के जीवन स्तर के अनुसार अपनी ज़रूरतें पूरी न कर सके। अब यह जीवन स्तर जिसका जितना फैला हुआ होगा, गरीबी का वास्तविक अर्थ भी उतना बड़ा होगा। उदाहरण स्वरूप, यदि किसी शहर या देश में आम तौर पर हर परिवार के पास एक अलग घर है, अब अगर किसी विशेष परिवार के पास अलग घर नहीं है, तो उसे गरीबी का एक प्रकार माना जाएगा। इस तरह, संतुलन अर्थात् हर व्यक्ति (मुस्लिम हो या ज़िम्मी) के अमीर होने का मापदंड भी उस समय के समाज की संभावनाओं के अनुसार तय किया जाएगा।

इस्लाम समाज के सभी सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करता है और यह सामाजिक गारंटी के द्वारा होता है। एक मुसलमान दूसरे मुसलमान का भाई है और उसकी देख-रेख उसपर अनिवार्य है। इस प्रकार मुसलमानों पर वाजिब है कि उनके बीच कोई ज़रूरतमंद न रहे।

अल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फ़रमाया है :

"एक मुसलमान दूसरे मुसलमान का भाई है। इसलिए न वो उसपर जुल्म करे और न ही उसे जुल्म के हवाले करे। जो आदमी अपने भाई की ज़रूरत पूरी करने में लगा रहता है, अल्लाह उसकी मुराद पूरी करने में लगा रहता है, और जो आदमी किसी मुसलमान की मुसीबत दूर करता है, अल्लाह क़यामत के दिन उसकी मुसीबत दूर करेगा, और जो आदमी मुसलमान का दोष छुपाएगा, क़यामत के दिन अल्लाह उसके दोषों को छुपाएगा।" [190] [सहीह बुख़ारी]

📞 02030000000 0800 00 000000 2026 04:26:39 00

📞 02030000000 0800 00 000000 2026 04:26:39 00

📞 02030000000 0800 00 000000 2026 04:26:39 00

📞 02030000000 0800 00 000000 2026 04:26:39 00